रवीन्द्र केसकर

तुम भी बनाओ बातूनी कौआ

पिछले अंक में हमने सामान्य कौआ बनाया था। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस बार विकसित कौआ बनाते हैं। वैसे तो कौए में किसी भी तरह के बदलाव करके खरगोश नहीं बनाया जा सकता है। पर औरीगैमी में यह सम्भव है। देखो कैसे...

1. कागज़ की सफेद सतह पर चारों कोनों पर A, B, C, D लिख लो। C को A से मिलाकर BD पर पक्का मोड़ बनाकर खोल दो। इसी तरह B को D से मिलाकर AC पर पक्का मोड़ बनाओ और खोल दो। केन्द्र को O नाम दो।

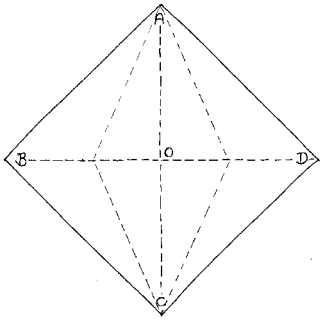

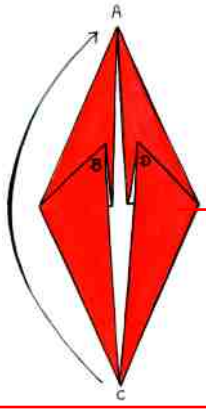

2. ABC व ADC में चित्रानुसार खरगोश के कान बना लो। ध्यान रहे कि खरगोश के कान बनाने का आधार AC रेखा हो। C को A से मिलाकर मोड़ दो।

3. अब B व D कोने छिप गए हैं। इन दोनों कोनों को चित्र में दिखाए तरीके से थोड़ा बाहर खींच दो। और C को O से मिलाकर PQ मोड़ बना दो।

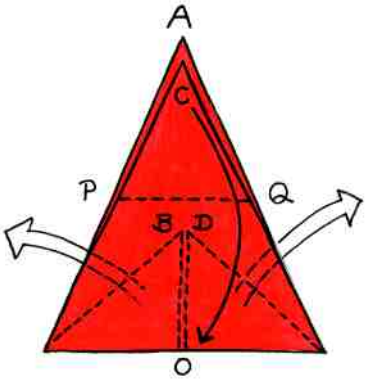

4. PQ को आधार मानकर APQ व CPQ में खरगोश के कान बना लो। अब B को D से मिला दो। विकसित कौआ तैयार है। इसकी चोंच हूबहू कौए जैसी है। इसीलिए इसे विकसित कौआ नाम मिला है।

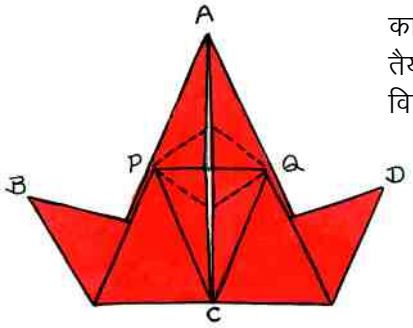

दोनों हाथों से इसके पंख पकड़कर दूर-पास करो तो यह कॉव..कॉव करता है।

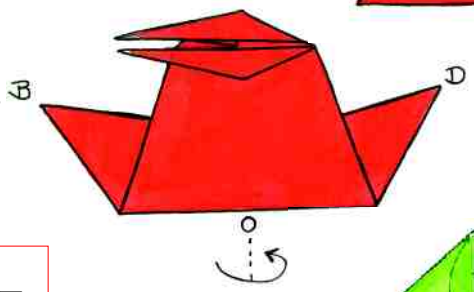

चोंच और मुँह के मोड़

इन चित्रों में बने दो छोटे सफेद चौकोरों को देखो। ऊपर वाले चौकोर से बनेगी कौए की चोंच – नुकीली और सँकरी। दूसरे वाले से बनेगा खरगोश का मुँह – खुला और चौड़ा। तुम इन चौकोरों के साइज़ बदलकर अलग-अलग तरह से मुँह बनाकर देख सकते हो।

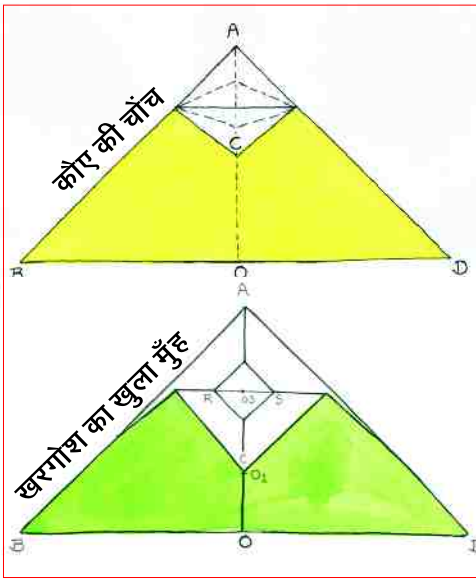

अब बनाते हैं खरगोश

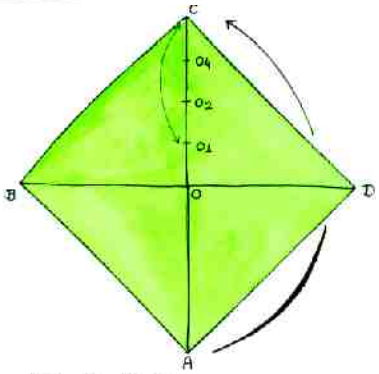

खरगोश बनाने के लिए 15x15 सें.मी. आकार का कागज़ सही रहेगा।

कागज़ के दोनों हिस्सों को A, B, C, D नाम दे दो। ध्यान रहे कि A के पीछे A व B के पीछे B... हो। AC व BD पर पक्का मोड़ बनाकर खोल लो और केन्द्र को O नाम दो। रंगीन हिस्सा अपनी तरफ व C कोना ऊपर रखो।

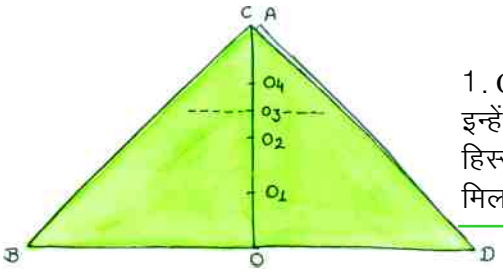

1. OC को चार बराबर हिस्सों में बाँटकर सिर्फ निशान लगाओ, मोड़ो नहीं। चित्र में देखो और इन्हें O_1, O_2 और O_4 नाम दे दो। A को पीछे की ओर से घुमाते हुए C से मिला दो। अब सफेद हिस्सा ढँक गया। आगे पीछे रंगीन त्रिभुज दिखाई देगा। A व C दोनों को एक साथ O_1 से मिलाकर आधा पक्का मोड़ बनाकर खोल लो। इसे O_3 नाम दो।

2. A B भुजा को चित्र में दिखाए तरीके से इस तरह मोड़ो कि उसका एक सिरा O_2 को छुए। अब A व C कोनों को भी O_2 से मिला दो। ये दोनों मोड़ जहाँ पर मलते हैं वहाँ से एक तिरछा मोड़ बनाओ। इस मोड़ को O_3 तक ही सीमित रखो। इसी प्रक्रिया को AD भुजा व A व C कोनों के साथ दोहराओ।

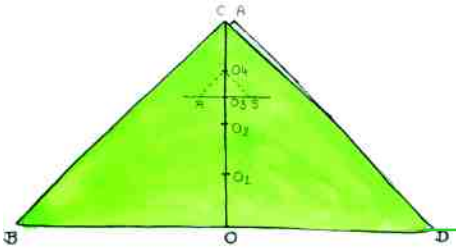

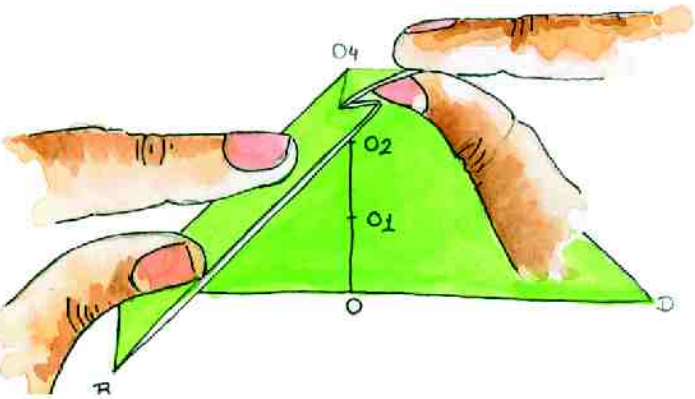

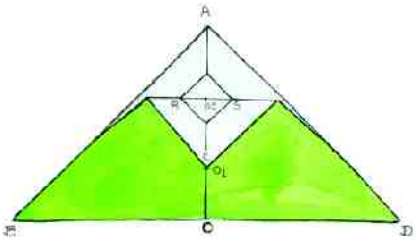

3. RS मोड़ के बल पर C हिस्सा आगे की तरफ खोल लो। छोटे सफेद चौकोर की घड़ियाँ दिखाई दीं? इसकी चारों भुजाओं को एक साथ दबाकर पक्के मोड़ बनाकर खोल लो। (चित्र देखो)अब C को A से वापस मिला दो।

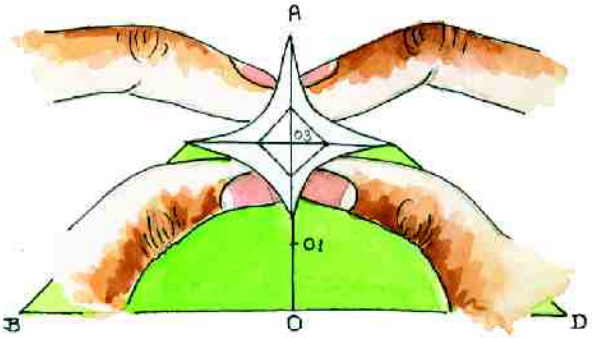

4. B व D को पीछे की तरफ से A से मिला दो। अब चारों कोने एक हो गए। चित्रानुसार P, Q नाम दो।

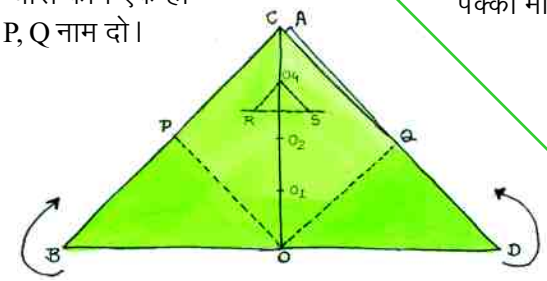

5. P, O व Q को O_2 से मिलाकर पक्का मोड़ बना लो।

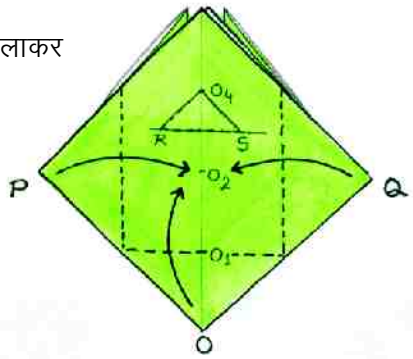

6. P व Q को चित्रानुसार खड़ी किनारों के मध्य बिन्दु से अन्दाज़ से मिला दो। और नीचे वाले त्रिभुज में "खरगोश कान" तकनीक से आधार बना दो। इसके बल पर खरगोश स्थिर बैठेगा। RS मोड़ से खरगोश का मुँह खोल दो।

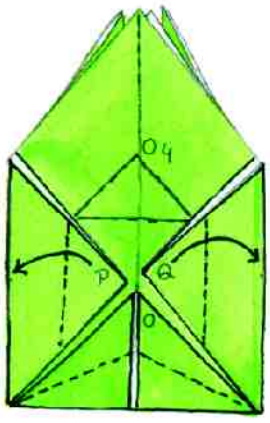

चित्रः जितेन्द्र ठाकुर

7. P व Q कोनों को पकड़कर मध्य रेखा से चित्र में दिखाए अनुसार मोड़ने पर खरगोश का मुँह बन्द होगा। A व C कोनों को थोड़ा-सा पलटकर मोड़ देने से मुँह का बन्द होना आसान होगा।